पर लागू होते है । वे गैर-सरकारी क्षेत्र के बैंकों पर लागू नही होते । अलबत्ता वे सरकारी क्षेत्र के बैंको के बारे में सरकार द्वारा अपनाई गई सामान्य नीति का अनुसरण करने के लिए स्वतन्त्र है ।

भारतीय सामान के निर्यात में गिरावट को रोकने के लिये किये गये उपाय

2372. **श्री सुशील कुमार धारा :** क्या वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) यूरोपीय आर्थिक समुदाय द्वारा दी गई सुविधाओं के अधीन निर्यात किये जा रहे भारतीय सामान के निर्यात मे गिरावट को रोकने तथा निर्यात व्यापार को बढाने के उद्देश्य से वर्तमान सरकार द्वारा क्या कदम उठाये गये है ,

(ख) यूरोपीय देशों को हमारे निर्यात मे वृद्धि की क्या सभावनाये है , और

(ग) ब्रिटेन के यूरोपीय आर्थिक समुदाय मे प्रवेश तथा अन्य कई कारणो के फलस्वरूप भारत तथा ब्रिटेन के बीच व्यापार के अन्तर को पूरा करने के लिये क्या प्रयास किये जा रहे है ?

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय में राज्य मन्त्री (श्री आरिफ बेग) . (क) पिछले कुछ वर्षों मे यूरोपीय आर्थिक समुदाय को भारतीय निर्यात बढते रहे हैं । यूरोपीय आर्थिक समुदाय को हमारे निर्यात व्यापार मे न केवल गिरावट रोकने अपितु उसमे वृद्धि भी करने के लिए अनेक उपाय किए गए है जिनमें समुदाय की सामान्य अधिमान प्रणाली के अधीन उपलब्ध टैरिफ लाभो का उपयोग करते हुए इन बाजारो को निर्यात बढाने के लिए व्यापार तथा उद्योग मे दिलचस्पी तथा जागरूकता पैदा करना शामिल है । इस संदर्भ मे अन्य विभिन्न प्रकार की पहल भी की जाती है, यथा विशेषीकृत मेलो तथा प्रदर्शनियो मे भाग लेना, उत्पाद दलो के दौरे, कतिपय उत्पादों के बारे मे भिन्न-भिन्न भाषाओ मे विवरणिकाए छापना तथा वितरित करना, इन बाजारो की पसन्द के मुताबिक भारतीय उत्पादो का अनुकूलन तथा आशोधन ।

(ख) इन बाजारो को निर्यात बढाने की सभाव्यताए अनेक बातों पर निर्भर होगी, यथा हमारे हित के उत्पादों के लिए बाजार मे निर्बाध प्रवेश इन देशो मे विद्यमान आर्थिक परिस्थितिया हमारे उत्पादो की प्रतियोगिता-क्षमता, क्वालिटी, मानको के अनुरूप माल का होना समय पर सुपुर्दगी देना आदि । हमारा यह सतत प्रयास रहता है कि इस क्षेत्र को निर्यात बढाने के लिए सभी सभव उपाय किए जाए ।

(ग) विगत कुछ वर्षों मे ब्रिटेन को भारतीय निर्यात बढते रहे है । सगत करारो मे समुचित उपबन्धो द्वारा ब्रिटेन के बाजार के सम्बन्ध मे कतिपय वस्तुओ से सम्बन्धित हमारे हितो का यथासभव सरक्षण करने के अलावा, ब्रिटेन को होने वाले निर्यातो मे वृद्धि करने के लिए अधिमानो का सामान्यीकृत योजना के अन्तर्गत उपलब्ध टैरिफ लाभो का उपयोग करने के लिए कार्यवाही आरंभ की गई है । इसके अतिरिक्त, ब्रिटेन को होने वाले हमारे निर्यातो मे वृद्धि करने के लिए सेमिनार आयोजित करना, मेलो तथा प्रदर्शनियो मे भाग लेना, प्रतिनिधिमंडलो के दौरे प्रायोजित करने आदि जैसे बहुत से संवर्धनात्मक कदम भी उठाए गए है ।